Rajasthan Gk Previous Questions - 11

परिक्षापयोगी : जेल प्रहरी, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, पशुधन सहायक, REET 2025

अध्याय-6 राजस्थान के प्रमुख शासक

☛ **जयपुर में जंतर मंतर किसने बनाया?**

(1) सवाई जयसिंह (2) मानसिंह
(3) प्रताप सिंह (4) माधो सिंह (1)

व्याख्या–जंतर मंतर वैधशाला जयपुर का निर्माण जयपुर के तत्कालीन राजा सवाई जयसिंह ने 1734 में करवाया था। यह वैधशाला UNESCO की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल है।

☛ **पृथ्वीराज चौहान की माता का नाम क्या था?**

(1) रंग देवी (2) कर्पूर देवी
(3) कर्मावती (4) हरखा बाई (2)

व्याख्या–पृथ्वीराज चौहान का जन्म 1 जून, 1163 को गुजरात के पाटन में हुआ था।

- पृथ्वीराज चौहान को राय पिथौरा नाम से भी जाना जाता था।
- पृथ्वीराज चौहान के पिता का नाम राजा सोमेश्वर और इनकी माता का नाम रानी कर्पूरीदेवी था।

☛ **पृथ्वीराज चौहान को कितनी भाषाओं का ज्ञान था?**

(1) 5 (2) 6
(3) 7 (4) 8 (2)

व्याख्या–पृथ्वीराज चौहान छह भाषाओं में निपुण थे जैसे-संस्कृत, प्राकृत, मागधी, पैशाची, शौरसेनी और अपभ्रंश भाषा।

☛ **चंदरबरदाई किस शासक के दरबारी कवि थे?**

(1) अजयराज (2) कुंभा
(3) पृथ्वीराज चौहान (4) राणा सांगा (3)

व्याख्या–चंदरबरदाई, जयानक, जनार्दन, विद्यापति गौड, वागीश्वर, विश्वरूप एवं पृथ्वी भट्ट जैसे लेखक व कवि पृथ्वीराज चौहान के दरबार की शोभा बढ़ाते थे।

- चंदरबरदाई पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि थे। इनका जन्म लाहौर में हुआ था।
- चंदरबरदाई ने पृथ्वीराज रासो की रचना की।
- शिव सिंह सेंगर ने अपने ग्रन्थ 'शिव सिंह सरोज' में चंदरबरदाई को छप्पयो का राजा कहा है।

☛ **सिसोदिया वंश के कलाप्रेमी शासक महाराणा कुम्भा मेवाड़ के राजसिंहासन पर कब बैठे ?**

(1) 1433 ई. को (2) 1192 ई. को
(3) 1403 ई. को (4) 1427 ई. को (1)

☛ **पृथ्वीराज रासो के रचयिता कौन थे?**

(1) जयानक (2) सूर्यमल्ल मिश्रण
(3) चंदरबरदाई (4) विजयदान देथा (3)

व्याख्या–पृथ्वीराज रासो ग्रंथ के रचयिता चंदरबरदाई था।

- पृथ्वीराज रासो हिन्दी का सबसे बड़ा काव्य ग्रंथ है। चंदरबरदाई ने अपने ग्रंथ 'पृथ्वीराज रासो' में पृथ्वीराज चौहान की शौर्य, वीरता, पराक्रम का अंकन किया है।

☛ **पृथ्वीराज विजय महाकाव्य के रचयिता कौन थे?**

(1) जयानक (2) सूर्यमल्ल मिश्रण
(3) चंदरबरदाई (4) कर्नल टॉड (1)

व्याख्या–पृथ्वीराज विजय एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। इसकी रचना जयानक ने की थी।

☛ **पृथ्वीराज चौहान का शासनकाल था?**

(1) 1177-1192 ई. (2) 1433-1466 ई.
(3) 1180-1194 ई. (4) 1190-1205 ई. (1)

व्याख्या–पृथ्वीराज चौहान का शासनकाल 1177 से 1192 था। पृथ्वीराज की मृत्यु 11 मार्च, 1192 को हुई।

☛ **महाराणा कुम्भा का जन्म कब हुआ ?**

(1) 1417 ई. (2) 1433 ई.
(3) 1420 ई. (4) 1925 ई (1)

व्याख्या–महाराणा कुंभा का जन्म सन् 1417 ई. में चित्तौड़ में हुआ। उन्होंने 1433 ई. में मेवाड़ का शासन भार संभाला।

☛ **किस शासक के व्यक्तित्व में कटार, कलम व कला की त्रिवेणी थी?**

(1) महाराणा कुंभा (2) पृथ्वीराज चौहान
(3) महाराणा सांगा (4) महाराणा अमर सिंह (1)

व्याख्या–महाराणा कुंभा के व्यक्तित्व में कटार, कलम और कला की त्रिवेणी थी।

- सांस्कृतिक दृष्टि से मेवाड़ के किस शासक का शासनकाल मेवाड़ इतिहास का 'स्वर्ण युग' था?
  (1) पृथ्वीराज चौहान (2) महाराणा प्रताप
  (3) महाराणा कुंभा (4) राणा अजीत सिंह (3)

व्याख्या–सांस्कृतिक दृष्टि से कुंभा का शासनकाल मेवाड़ के इतिहास का स्वर्ण युग था।

- मेवाड़ मे स्थित 84 दुर्गों में से कितने दुर्गों का निर्माण महाराणा कुम्भा ने करवाया ?
  (1) 32 दुर्ग (2) 34 दुर्ग
  (3) 33 दुर्ग (4) 35 दुर्ग (1)

व्याख्या–मेवाड़ में स्थित 84 दुर्गों में से 32 दुर्ग, कुंभा द्वारा निर्मित है। कुंभा ने अचलगढ़ दुर्ग, बसंतगढ़ दुर्ग, भोमट दुर्ग, मचान दुर्ग, कुंभलगढ़ दुर्ग तथा कुंभश्याम मंदिर, चित्तौड़ के दुर्ग में स्थित विजय स्तंभ का निर्माण करवाया।

- मचान दुर्ग का निर्माण किसने करवाया?
  (1) महाराणा कुंभा (2) महाराणा सांगा
  (3) महाराणा प्रताप (4) महाराणा अमर सिंह (1)
- महाराणा कुम्भा ने मेवाड़ में 32 दुर्गों का निर्माण करवाया था, निम्न में से कौन-से दुर्ग का निर्माण कुम्भा ने नहीं करवाया?
  (1) अचलगढ़ (2) बसंती दुर्ग
  (3) भोमट दुर्ग (4) भैंसरोडगढ़ दुर्ग (4)

व्याख्या–भैंसरोडगढ़ दुर्ग मूल से भैसाशाह और रोड़ा जी चारण नामक दो व्यापारी बंधुओं द्वारा बनाया गया था।

- निम्न में से कौनसा शासक संगीतकार था?
  (1) महाराणा कुंभा (2) महाराणा प्रताप
  (3) महाराणा उदयसिंह (4) बप्पा रावल (1)

व्याख्या–महाराणा कुंभा ने संगीतराज नामक ग्रंथ की रचना की।

- **संगीतराज ग्रंथ को 5 भागों में विभक्त किया गया**–
  1. पाठ रत्न कोश, 2. गीत रत्नकोश, 3. वाद्यरत्नकोष, 4. नृत्यरत्न कोश, 5. रसरत्नकोश

- संगीतराज, संगीत मीमांसा व सूड प्रबंध ग्रंथ किसकी रचना है–
  (1) महाराणा कुंभा (2) महाराणा प्रताप
  (3) महाराणा सांगा (4) बप्पा रावल (1)

व्याख्या–**कुंभा द्वारा रचित ग्रंथ**–संगीतराज, संगीत मीमांस, सूड प्रबंध, कामराज रतिसार, हरवर्तिका, जयदेव के गीत गोविन्द पर टीका चण्डीशतक की टीका 'रसिक प्रिया' संगीत क्रम दीपिका, नवीन गीत गोविन्द, वाद्य प्रबंध, संगीत सुधा, संगीत रत्नाकर टीका आदि।

परीक्षा दृष्टि

★ निम्नलिखित में से कौनसा ग्रन्थ महाराणा कुम्भा की रचना नहीं है (कलानिधि/रसिकप्रिया/सुधा प्रबन्ध/नृत्यरत्न कोष)– **– कलानिधि**

★ महाराणा कुम्भा द्वारा रचित ग्रन्थ 'संगीतराज' कितने कोषों में विभक्त है– **– 5 (पाँच)**

★ चम्पानेर की संधि किन राज्यों के बीच हुई **– मालवा व गुजरात**

★ महाराणा प्रताप के समय अकबर ने शाहबाज खाँ को कितनी बार मेवाड़ पर आक्रमण के लिए भेजा **– तीन**

★ महाराणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को किस युद्ध में परास्त किया– **– खातोली का युद्ध**

★ राजस्थान का कौनसा राजघराना एकलिंगजी के रूप में शिव का उपासक है– **– मेवाड़**

★ निम्नलिखित में से कौनसा राज्य था जिसने मुगलों के विरुद्ध मेवाड़ के महाराणा प्रताप से संधि नहीं की– (ईडर/जोधपुर/डूँगरपुर/जालौर) **– जोधपुर**

★ पन्नाधाय ने किसके जीवन को बचाया– **– उदयसिंह**

★ रानी पद्मिनी किस शासक की पत्नी थी **–राणा रतन सिंह**

★ मेवाड़ के किस महाराणा ने मुगलों से सर्वप्रथम संधि की थी– **– अमरसिंह**

- हाल गुरु, दानगुरु, परमगुरु, चापगुरु की उपाधियाँ किस शासक ने धारण की?
  (1) महाराणा सांगा (2) मालदेव
  (3) महाराणा कुंभा (4) महाराणा प्रताप (3)

व्याख्या–महाराणा कुंभा की उपाधियाँ–अभिनवभर्ताचार्य, राणोराय, रावराय, हालगुरु, शैलगुरु, दानगुरु, चापगुरु, गजपति, अश्वपति, हिन्दू सूरताण, नन्दीकेशवर, परम भागवत आदि।

- महाराणा सांगा का वास्तविक नाम संग्राम सिंह था, इनके पिता का नाम क्या था?
  (1) महाराणा कुंभा (2) राणा रायमल
  (3) राव मालदेव (4) महाराणा मोकल (2)

व्याख्या–राणा सांगा रायमल के सबसे छोटे पुत्र थे। राणा रायमल के चार पुत्र थे–पृथ्वीराज सिसोदिया, जयमल तथा राणा सांगा व सेसां।

- मालदेव के पिता का नाम क्या था?
  (1) राव गांगा (2) राणा रायमल
  (3) राव चन्द्रसेन (4) राव उम्मेद सिंह (1)

व्याख्या–राव मालदेव गांगा का ज्येष्ठ पुत्र था। राव गांगा की मृत्यु के बाद राव मालदेव 5 जून, 1532 को जोधपुर की गद्दी पर बैठा। उसका राज्याभिषेक सोजत में सम्पन्न हुआ। राव मालदेव की माँ का नाम रानी पद्मा कुमारी था जो कि सिरोही के देवड़ा शासक जगमाल की पुत्री थी।

☛ **निम्न में से किस दुर्ग का निर्माण राव मालदेव द्वारा करवाया गया ?**
(1) पोकरण दुर्ग (2) मालकोट
(3) सोजत दुर्ग (4) उपर्युक्त सभी (4)

☛ **मारवाड़ के इतिहास में किस शासक का शासनकाल मारवाड़ का 'शौर्य युग' कहलाता है?**
(1) राव जोधा (2) राव चन्द्रसेन
(3) जसवंत सिंह (4) राव मालदेव (4)

व्याख्या–राव मालदेव का जन्म 5 दिसम्बर, 1511 को हुआ था। वह अपने पिता राव गंगा को मारकर 5 जून, 1532 को जोधपुर के राज्य सिंहासन पर आसीन हुए थे। इसलिए इसे पितृहंता शासक कहते हैं।
- मारवाड़ के इतिहास में राव मालदेव का शासन मारवाड़ का शौर्य युग कहलाता है।
- राव मालदेव ने अपने काल में कुल 52 युद्ध किये।
- राव मालदेव का शासनकाल 1532 ई. से 1562 ई. तक रहा।
- राव मालदेव ने सर्वप्रथम भाद्राजूण को जीता।
- राव मालदेव का एक साथ छोटे-बड़े 58 परगनों पर अधिकार रहा।

☛ **किस शासक को 'हशमतवाला' शासक कहा जाता था?**
(1) राव मालदेव (2) राव चन्द्रसेन
(3) राणा प्रताप (4) जसवंत सिंह (1)

व्याख्या–राव मालदेव को फारसी इतिहासकारों ने 'हशमत' वाला शासक (ताकतवर) नाम से पुकारा।

☛ **महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक कहां हुआ?**
(1) मांडलगढ़ (2) कुंभलगढ़
(3) दिवेर (4) बांडोली (2)

☛ **महाराणा प्रताप के पिता का नाम क्या था?**
(1) महाराणा संग्राम सिंह (2) महाराणा उदय सिंह
(3) महाराणा राज सिंह (4) बप्पा रावल (2)

व्याख्या–महाराणा प्रताप के पिता का नाम उदय सिंह द्वितीय था। माता का नाम रानी जयवंता बाई था। महाराणा प्रताप को बचपन में कीका नाम से पुकारा जाता था।

☛ **महाराणा प्रताप का राज्याभिषेक कब हुआ?**
(1) 1573 ई. (2) 1572 ई.
(3) 1574 ई. (4) 1575 ई. (2)

व्याख्या–महाराणा प्रताप का प्रथम राज्याभिषेक में 28 फरवरी, 1572 में गोगुन्दा में हुआ था। लेकिन विधि विधान स्वरूप महाराणा प्रताप का द्वितीय राज्याभिषेक 1572 ई. में ही कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ। महाराणा प्रताप का शासनकाल 1572 ई. से 1597 ई. तक।

☛ **कृषि व वनों से संबंधित विषय पर चक्रपाणि मिश्र द्वारा लिखित पुस्तक 'विश्ववल्लभ' किस शासक ने लिखवाई ?**
(1) महाराणा प्रताप (2) महाराणा संग्राम सिंह
(3) महाराणा कुंभा (4) महाराणा अमर सिंह (1)

☛ **महाराजा रायसिंह के पिता का नाम क्या था?**
(1) महाराजा कर्ण सिंह (2) महाराजा दलपत सिंह
(3) महाराजा कल्याणमल (4) राव लूणकरण (3)

व्याख्या–रायसिंह ने बीकानेर में जूनागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया था। इस दुर्ग के भीतर एक प्रशस्ति लिखवाई जिसे 'रायसिंह प्रशस्ति' कहा जाता है।
- रायसिंह प्रशस्ति के रचयिता क्षेमेन्द्र के शिष्य जैन मुनि जैता थे।
- रायसिंह प्रशस्ति में राव बीका से राव रायसिंह तक के शासकों की उपलब्धियों का वर्णन है।
- रायसिंह प्रशस्ति की भाषा संस्कृत है।

☛ **महाराजा रायसिंह का राज्याभिषेक कब हुआ?**
(1) 1573 ई. (2) 1574 ई.
(3) 1575 ई. (4) 1576 ई. (2)

व्याख्या–1572 में कुंवर रायसिंह को अकबर ने जोधपुर का प्रशासक नियुक्त किया।

☛ **महाराजा रायसिंह का जन्म कब हुआ?**
(1) 20 जुलाई, 1541 ई. (2) 20 जुलाई, 1542 ई.
(3) 20 जुलाई, 1543 ई. (4) 20 जुलाई, 1544 ई. (1)

☛ **राजपूताने का कर्ण किस शासक को कहा जाता है?**
(1) महाराजा रायसिंह (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) राव कर्ण सिंह (4) राव लूणकरण (1)

व्याख्या–रायसिंह को मुंशी देवीप्रसाद ने राजपूताना का कर्ण कहा था। लूणकरण को 'कलयुग के कर्ण' के नाम से भी जाना जाता है।

☛ **'राजपूताने के कर्ण' के नाम से विख्यात महाराजा राजसिंह का शासनकाल कब से कब तक था**
(1) 1540-1597 ई. (2) 1574-1612 ई.
(3) 1669-1698 ई. (4) 1509-1520 ई. (2)

व्याख्या–रायसिंह ने अपने रण कौशल से गुजरात, काबुल, कंधार एवं दक्षिण भारत के अभियानों को सफल बनाया।

- रायसिंह ने बीकानेर में जूनागढ़ दुर्ग का निर्माण करवाया।
- इन्होंने दुर्ग के भीतर एक प्रशस्ति लिखवाई जिसे 'रायसिंह प्रशस्ति' कहा जाता है।
- अकबर ने रायसिंह की सेवाओं से संतुष्ट होकर उसे 1593 ई. में जूनागढ़ का प्रदेश और 1604 ई. में शमशाबाद तथा नूरपुर की जागीर तथा 'राय' की उपाधि प्रदान की।

☛ **'रायसिंह महोत्सव' एवं ज्योतिष रत्नमाला' जैसे ग्रंथों की रचना किसने की–**

(1) मिर्जा राजा जयसिंह (2) महाराजा रायसिंह
(3) महाराणा प्रताप (4) राव मालदेव (2)

व्याख्या–रायसिंह ने रायसिंह महोत्सव, वैधक वंशावली, बालबौधिनी, ज्योतिष रत्नमाला की भाषा पर टीका लिखी।

☛ **कच्छवाह वंश के जयसिंह 1621 में आमेर की गई पर बैठे। इनका शासन काल कब तक रहा?**

(1) 1621 ई. - 1640 ई. (2) 1621 ई. - 1665 ई.
(3) 1621 ई. - 1676 ई. (4) 1621 ई. - 1667 ई. (4)

☛ **आमेर का के कच्छवाह वंश का कौन-सा शासक जिसने तीन मुगल बादशाह जहाँगीर, शाहजहां व औरंगजेब के सैनिक अभियानों में उत्तरदायित्व का निर्वहन किया।**

(1) महाराजा रायसिंह (2) महाराणा प्रताप
(3) मिर्जा राजा जयसिंह (4) महाराणा सांगा (3)

व्याख्या–मिर्जा राजा जयसिंह के राज कवि बिहारी ने 1662 ई. में 'बिहारी सतसई' की रचना की। जयसिंह के दरबारी रामकवि ने 'जयसिंह चरित्र' की रचना की।

☛ **1639 ई. में जयसिंह की 'मिर्जा राजा' की उपाधि किस मुगल शासक ने दी?**

(1) शाहजहाँ (2) जहाँगीर
(3) अकबर (4) महाराजा सूरजमल (1)

व्याख्या–शाहजहाँ ने 1639 ई. में जयसिंह को 'मिर्जा राजा' की उपाधि से सम्मानित किया। औरंगजेब ने जयसिंह को दक्षिण भारत में शिवाजी के विरूद्ध भेजा।

☛ **महाराजा राजसिंह प्रथम मेवाड़ के शासक कब बने?**

(1) 1651 ई. (2) 1652 ई.
(3) 1653 ई. (4) 1654 ई. (2)

परीक्षा दृष्टि

★ सूफी संत ख्वाजा मोहनुद्दीन चिश्ती किसके शासनकाल में राजस्थान आये थे– – पृथ्वीराज चौहान

★ जिस राज्य पर पृथ्वीराज चौहान ने शासन किया, उसके संस्थापक थे– – अजयराज

★ पृथ्वीराज तृतीय किस चौहान वंश से संबंधित था– – शाकंभरी

★ शाकम्भरी के चौहान वंश की नींव डालने वाला शासक था– – वासुदेव चौहान

★ निम्नलिखित में से राजपूताना के किस क्षेत्र पर वरीक वंश ने शासन किया था– – बयाना

★ जाट वंश का 18वीं शताब्दी के मध्य में किन भू-भागों पर आधिपत्य था– – भरतपुर एवं धौलपुर

★ अलवर जिले के किस पराक्रमी वीर ने खानवा के प्रसिद्ध युद्ध में महाराणा सांगा के साथ बाबर से युद्ध करते हुए वीरगति प्राप्त की– – हसन खाँ मेवाती

★ तालाब-ए-शाही (धौलपुर) का निर्माण जहाँगीर के किस मनसबदार ने करवाया था– – सुलेह खाँ

★ 16वीं-17वीं शताब्दी में राजस्थान में नील का कारोबार अत्यन्त विकसित था और नील हमारी सांस्कृतिक विरासत रही है और इस विरासत का गवाह रहा है– – बयाना (भरतपुर)

★ राजस्थान के किस राज्य के शासक को महारावल कहा जाता था– – डूंगरपुर

☛ **आमेर के किस शासक के कहने पर जसवंत सिंह ने दौराई के युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया?**

(1) भारमल (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) सवाई जयसिंह (4) भगवान दास (2)

व्याख्या–मुगल उत्तराधिकार संघर्ष मे जसवंत सिंह ने पहले शाही सेना (शाहजहां) के साथ थे परन्तु आमेर के शासक जयसिंह के कहने पर दौराई के युद्ध मे औरंगजेब का साथ दिया।

☛ **महाराजा जसवंत सिंह का जन्म कब हुआ?**

(1) दिसम्बर, 1626 ई. (2) जनवरी, 1726 ई.
(3) मार्च, 1526 ई. (4) अप्रेल, 1628 ई. (1)

व्याख्या–जसवंत सिंह का जन्म 26 दिसम्बर, 1626 ई. में बुरहानपुर में हुआ।

- जोधपुर के महाराज गजसिंह के तीन पुत्र थे–अमर सिंह, जसवंत सिंह और अचल सिंह।
- दिल्ली के सम्राट शाहजहाँ ने इनका 6 मई, 1638 को राज्याभिषेक किया और इन्हें ''महाराजा'' की उपाधि दी थी।

☛ जसवंत सिंह को 'महाराजा' की उपाधि किसने दी?

(1) अकबर (2) शाहजहाँ

(3) जहाँगीर (4) बाबर (2)

व्याख्या–शाहजहाँ ने जसवंत सिंह को 'महाराजा' की उपाधि दी।

- जसवंत सिंह ने दक्षिण भारत में औरंगाबाद के पास जसवंतपुरा कस्बा बसाया।
- जसवंत सिंह एक अच्छे साहित्यकार थे इन्होंने 'आनन्द' प्रकाश' सिद्धांत-बोध' भाषा भूषण, प्रबोध चन्द्रोदय आदि ग्रंथों की रचना की।

☛ महाराजा जसवंत सिंह का शासनकाल था?

(1) 1638-1678 ई. (2) 1652-1680 ई.

(3) 1699-1743 ई. (4) 1755-1763 ई. (1)

व्याख्या–महाराजा जसवंत सिंह का शासनकाल 1638 ई. से 1678 ई. तक रहा।

- 28 नवम्बर, 1678 को महाराजा जसवंत सिंह का जमरूद (अफगानिस्तान) में निधन हो गया। तवारीख मोहम्मद शाही में लिखा है कि उनकी मृत्यु के समाचार सुन औरंगजेब ने कहा 'आज कुफ्र का दरवाजा टूट गया।'
- मुगल उत्तराधिकार युद्ध में जसवंत सिंह पहले शाही सेना (शाहजहाँ) के साथ थे परन्तु बाद में आमेर शासक जयसिंह के कहने पर उन्होंने दौराई के युद्ध में औरंगजेब के साथ दिया।

☛ मुगल उत्तराधिकार युद्ध में मेवाड़ के राज सिंह ने किसका साथ दिया?

(1) औरंगजेब (2) दारा शिकोह

(3) अकबर व द्वितीय का (4) शाहजहाँ का (1)

☛ औरंगजेब के कारण, ब्रज से गोवर्धन नाथ (श्रीनाथ जी) की मूर्ति लेकर आये 'गोस्वामी' भक्तों को किसने शरण दी ?

(1) जयसिंह ने (2) महाराजा राजसिंह प्रथम ने

(3) महाराजा गजसिंह (4) महाराणा कुंभा (2)

व्याख्या–औरंगजेब के कारण ब्रज से गोवर्धन नाथ (श्रीनाथजी) की मूर्ति को लेकर आये गोस्वामी भक्तों को राजसिंह ने शरण दी।

☛ निम्न में से कौनसा युग्म असंगत है–

(1) द्वारकाधीश मंदिर – कांकरोली, राजसमंद

(2) श्रीनाथ जी का मंदिर – नाथद्वारा, राजसमंद

(3) अम्बा माता का मंदिर – उदयपुर

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं। (4)

व्याख्या–सिहाड़ (नाथद्वारा) में श्रीनाथजी की मूर्ति और द्वारिकाधीश की मूर्ति कांकरोली (राजसमंद) में स्थापित कर राजसिंह ने वहाँ मंदिर बनवाया। उदयपुर में अम्बामाता का मंदिर बनवाया।

☛ मेवाड़ के महाराणा राजसिंह ने जिला कौन-सी झील बनवाई जिसके किनारे रणछोड़ भट्ट द्वारा स्लिलटिक्स संस्कृत भाषा मे लिखित 'राज- प्रशस्ति' 25 शिलाओं पर खुदवाया गया?

(1) नक्की झील (2) बालसमंद झील

(3) राजसमंद झील (4) आनासागर झील (3)

व्याख्या–राजप्रशस्ति– यह विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति है जो कि राजसमंद झील की नौ चौकी पाल की ताकों में लगी 25 काले शिलालेखों पर संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण है। राजसमंद झील कांकरोली में राजसिंह ने बनवाई थी।

- इसके रचयिता रणछोड़ भट्ट तैलंग थे।
- इस प्रशस्ति पर मेवाड़ के बापा रावल से लेकर जगतसिंह राजसिंह तक शासकों की वंशावली एवं उपलब्धियों का वर्णन है।
- यह काव्य 24 अध्यायों में विभाजित 1106 संस्कृत श्लोकों से बना है जो राजसमंद के 25 पाषाणों पर अंकित है।

☛ सवाई जयसिंह का शासनकाल रहा–

(1) 1699-1743 ई. (2) 1652-1680 ई.

(3) 1638-1678 ई. (4) 1755-1763 ई. (1)

व्याख्या–महाराजा बिसन सिंह की मृत्यु के बाद उनका ज्येष्ठ पुत्र सवाई जयसिंह 1699 ई. में शासक रहा।

☛ देश का सबसे बड़ा शिलालेख कौनसा है?

(1) कुंभलगढ़ प्रशस्ति (2) राज प्रशस्ति

(3) घोसुंडी अभिलेख (4) भाब्रू शिलालेख (2)

व्याख्या–राजप्रशस्ति–राज प्रशस्ति एक संस्कृत काव्य और शिलालेख है जो महाराणा राजसिंह द्वारा 1676 में राजसमंद झील के निर्माण की स्मृति में रचा गया है। प्रशस्ति काव्य रणछोड़ भट्ट तैलंग द्वारा अपने संरक्षक राजसिंह के आदेश में लिखा गया था।

- **कुंभलगढ़ प्रशस्ति**–कुंभलगढ़ प्रशस्ति राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ दुर्ग में स्थित कुंभश्याम मंदिर में स्थित है। इस मंदिर को वर्तमान समय में मामादेव का मंदिर कहते हैं। यह प्रशस्ति संस्कृत भाषा एवं नागरी लिपि में है। और पाँच शिलाओं पर उत्कीर्ण की गई थी। इसकी रचना महेश भट्ट द्वारा की गई है।

☛ आमेर के कच्छवाह शासक जयसिंह को सवाई की उपाधि किस मुगल सम्राट ने दी ?

(1) औरंगजेब ने (2) अकबर ने

(3) बाबर ने (4) जहाँगीर ने (1)

व्याख्या–सवाई जयसिंह का वास्तविक नाम 'विजय सिंह' था। मुगल सम्राट औरंगजेब ने जयसिंह को सवाई की उपाधि से सम्मानित किया।

- सवाई जयसिंह ने ग्रह नक्षत्रों की खोज के लिए–जीज मोहम्मद शाही पुस्तक लिखी।

☛ **आमेर के किस शासक ने आमेर के स्थान पर जयपुर को राजधानी बनाया?**

(1) मिर्जा राजा जयसिंह
(2) सवाई जयसिंह
(3) भारमल
(4) मानसिंह (2)

☛ **निम्न में से किस शासक ने नक्षत्रों की गति की गणना करने के लिए एक शुद्ध सारणी का निर्माण करवाया जिसका नाम तत्कालीन मुगल बादशाह के नाम पर 'जीज-ए-मुहम्मद शाही' रखा?**

(1) माधोसिंह (2) भारमल
(3) मानसिंह (4) सवाई जयसिंह (4)

व्याख्या–सवाई जयसिंह ने 1725 ई. में नक्षत्रों की गति की गणना के लिए एक शुद्ध सारणी का निर्माण करवाया, जिसका नाम तत्कालीन मुगल बादशाह के नाम पर जीज-ए-मुहम्मदशाही' रखा।

☛ **ज्योतिष विद्या पर 'जयसिंह कारिका' नामक ग्रंथ निम्न में से किस शासक के समय में लिखा गया?**

(1) सवाई जयसिंह (2) मानसिंह
(3) भारमल (4) माधोसिंह (1)

☛ **सवाई जयसिंह ने ज्योतिष के अध्ययन के लिए जंतर-मंतर नाम से पांच वेधशालाएं बनवाई। निम्न मे से कौनसा सम्मुचय पांचों वैधशालाओं के बारे में सही है?**

(1) जयपुर, बनारस, दिल्ली, मथुरा, उज्जैन
(2) जयपुर, आगरा, बनारस, मथुरा, उज्जैन
(3) जयपुर, आगरा, इलाहाबाद, मथुरा
(4) जयपुर, इलाहाबाद, मथुरा, उज्जैन (1)

व्याख्या–महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने हिन्दू खगोलशास्त्र में आधार पर देशभर में पाँच वैधशालाओं का निर्माण कराया था। ये वैधशालाएं जयपुर, दिल्ली, उज्जैन, बनारस और मथुरा में बनवाई गई।

- देश की सभी पाँच वैधशालाओं में जयपुर की वैधशाला सबसे बड़ी है। इस वैधशाला के निर्माण के लिए 1724 में कार्य प्रारंभ किया गया। और 1734 में यह निर्माण कार्य पूरा हुआ।

☛ **विजय स्तम्भ का निर्माण करवाया ?**

(1) महाराणा प्रताप
(2) सवाई जयसिंह
(3) महाराजा सूरजमल
(4) महाराणा कुम्भा (4)

☛ **महाराजा सूरजमल का शासनकाल था?**

(1) 1755–1780 ई.
(2) 1750–1760 ई.
(3) 1755–1763 ई.
(4) 1755–1770 ई. (3)

व्याख्या–महाराजा सूरजमल का राज्याभिषेक 22 मई, 1755 को हुआ।

- महाराजा सूरजमल का निधन 25 दिसम्बर, 1763 को भारत की राजधानी दिल्ली में हुआ।
- महाराजा सूरजमल ने 1755 से 1763 तक शासन किया।

☛ **महाराजा सूरजमल किस राज्य के शासक थे?**

(1) गंगानगर
(2) भरतपुर
(3) चूरू
(4) धौलपुर (2)

व्याख्या–महाराजा बदन सिंह की मृत्यु के बाद उनके पुत्र महाराजा सूरजमल जाट 1755 ई. में भरतपुर राज्य का शासक बना। राजनैतिक कुशलता और कुशाग्र बुद्धि के कारण उसे जाटों का प्लेटो भी कहा जाता है।

- पानीपत के तृतीय युद्ध के पश्चात इन्होंने मराठा शरणार्थियों को अपने राज्य में संरक्षण दिया।
- कविवर सूदन, अखेराज गर्ग जैसे विद्वान महाराजा सूरजमल के दरबार की शोभा बढ़ाते थे।

☛ **महाराणा प्रताप का जन्म कब हुआ था?**

(1) 9 मई, 1540
(2) 9 मई, 1549
(3) 9 मई, 1560 ई.
(4) 9 मई, 1542 (1)

व्याख्या–महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई, 1540 ई. को कुंभलगढ़ में हुआ। 19 जनवरी, 1597 में राजधानी चांवड में महाराणा प्रताप की मृत्यु हो गई। ये उदयसिंह के ज्येष्ठ पुत्र थे। इनकी माता का नाम जयवन्ता बाई था।

राजस्थान की हर प्रतियोगी परीक्षा हेतु उपयोगी

❖ राजस्थान सामान्य ज्ञान के नोट्स डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए इमेज पर क्लिक करें --

❖ राजस्थान की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण नोट्स Free डाउनलोड :-

❖ राजस्थान कला एवं संस्कृति, भूगोल, इतिहास सभी के नोट्स Free डाउनलोड करने का एकमात्र Google वेबसाइट :- *Rajasthanclasses.in*

Rajasthanclasses.in

हर भर्ती की न्यूज सबसे पहले..

यहां उपलब्ध रहेगी

Latest News : Get Link

अन्य किसी भी प्रकार की PDF's के लिए

गूगल सर्च करें या क्लिक करें

Google

rajasthanclasses.in

Telegram

चैनल

ज्वॉइन करें

YouTube पर

ऑनलाइन क्लासेज भी देखें

हिंदी व्याकरण GK
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

भारत सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

विज्ञान सामान्य ज्ञान
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
महत्वपूर्ण प्रश्नों की PDF
PDF : Get Link

राजस्थान GK 2025
नोट्स PDF ....
PDF : Get Link

Click Here : Get More PDF